मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–107

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (संस्कृत) (ऑनर्स)

(बी. एस. के. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-107 : भारतीय सामाजिक संस्थान और राजव्यवस्था

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए। लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।* 8×10=80

1. उत्तर-वैदिककालीन राजव्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

2. "राजनीति के लिए षाड्गुण्य सिद्धान्त आवश्यक है।" प्रकाश डालिए।

3. भारतीय समाज पर बौद्ध धर्म एवं पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. सामाजिक परिवर्तन के स्रोत पर प्रकाश डालिए।

5. धर्मशास्त्रीय ग्रंथों में प्रतिपादित सामाजिक संस्थानों की विवेचना कीजिए।

6. धर्म के विविध प्रकारों की विवेचना कीजिए।

7. आश्रम व्यवस्था से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

8. षोडश संस्कार को स्पष्ट करते हुए भारतीय संस्कृति में इसके महत्व को रेखांकित कीजिए।

9. अर्थशास्त्र के अनुसार सप्तप्रकृतियों की विवेचना कीजिए।

10. धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पर प्रकाश डालिए।

11. मनु, कौटिल्य और कामन्दक के राजनीति विषयक विचारों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

12. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(क) चतुर्विध उपाय **अथवा** त्रिवर्ग

(ख) ब्रह्मयज्ञ **अथवा** देवयज्ञ

(ग) महात्मा गांधी **अथवा** शुक्राचार्य

(घ) निष्क्रमण संस्कार **अथवा** अन्नप्राशन संस्कार

× × × × ×